

Assignment Question (2026-27) D.El.Ed. Second Year
Sub. Code-901 (संज्ञान अधिगम और बालविकास)

नोट – सभी दीर्घउत्तरीय प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

- प्र.1 बाल विकास की संकल्पना स्पष्ट करते हुए इसके विभिन्न आयामों का विस्तार से वर्णन कीजिए।
- प्र.2 बाल विकास में परिवार, विद्यालय एवं समाज की भूमिका का विस्तार से वर्णन कीजिए।
- प्र.3 जीन पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धान्त पर विस्तृत लेख लिखिये।
- प्र.4 बालक के सर्वांगीण विकास में शिक्षक की भूमिका का विस्तार से वर्णन कीजिए।
- प्र.5 वार्तालाप या मौखिक अभिव्यक्ति को विस्तार से समझाइए।

Sub. Code-902 (समाज शिक्षा और पाठ्यचर्या बोध)

नोट – सभी दीर्घउत्तरीय प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

- प्र.1 शिक्षा और समाज के पास्परिक संबंध को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
- प्र.2 शाला प्रबंधन एवं कर्तव्यों का वर्णन कीजिये।
- प्र.3 समाज में होने वाले परिवर्तनों का शिक्षा एवं पाठ्यचर्या पर क्या प्रभाव पड़ता है? समझाइए।
- प्र.4 शिक्षा के लक्ष्य एवं उद्देश्यों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
- प्र.5 मानव समाज में शिक्षा की प्रक्रिया का सविस्तार वर्णन कीजिए।

Sub. Code-903 (शिक्षा में समावेशी एवं जेंडर मुद्दे)

नोट – सभी दीर्घउत्तरीय प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

- प्र.1 समावेशी शिक्षा का अर्थ, उद्देश्य एवं आवश्यकता का विस्तार से वर्णन कीजिए।
- प्र.2 बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के बारे में टिप्पणी लिखिए।
- प्र.3 विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समावेशी कक्षा में शिक्षित करने की विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए।
- प्र.4 लैंगिक समानता में पाठ्यक्रम की क्या भूमिका है? विस्तार से समझाइए।
- प्र.5 विद्यालय में लैंगिक असमानता के कारण तथा लिंग समवेदन शीलता एवं समानता में शिक्षा की भूमिका स्पष्ट कीजिये।

Sub. Code-904 (शालेय संस्कृति, नेतृत्व और शिक्षक विकास)

नोट – सभी दीर्घउत्तरीय प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

- प्र.1 विद्यालय संस्कृति का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख तत्वों का वर्णन कीजिए।
- प्र.2 शिक्षक के व्यावसायिक विकास की आवश्यकता एवं उसके विभिन्न उपायों को समझाइए।
- प्र.3 शिक्षक-शिक्षा महाविद्यालय की भूमिका का विस्तार से वर्णन कीजिए।
- प्र.4 विद्यालय के विकास में प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक की भूमिका का विस्तार से वर्णन कीजिए।
- प्र.5 केन्द्रीय विद्यालय एवं नबोदय विद्यालय को विस्तार से समझाइए एवं इनमें अंतर स्पष्ट कीजिए।

Sub. Code-905 (Proficiency in English)

1. Write a note on the Importance of oral work?.
2. What is the role English teacher in teaching language?
3. What is Free Composition.
4. What are the different tips of English prose lesson is notice writing.
5. Write an application for the post of office assistant.

Sub. Code-906 (योग शिक्षा)

नोट – सभी दीर्घउत्तरीय प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

- प्र.1 सूर्य नमस्कार के मंत्रों का विस्तृत वर्णन कीजिए एवं उनके लाभों को विस्तार से समझाइए।
- प्र.2 विद्यालय में योग शिक्षा की आवश्यकता एवं उपयोगिता समझाइए।
- प्र.3 अनुलोम, विलोम, प्राणायाम की क्रियाविधि लिखिए।
- प्र.4 योग एवं प्राणायाम का तनाव, एकाग्रता तथा मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव समझाइए।
- प्र.5 महर्षि वशिष्ठ की कोई चार रचनाओं के नाम एवं उनका संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

Sub. Code-907 (पर्यावरणीय अध्ययन शिक्षण)

नोट – सभी दीर्घउत्तरीय प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

- प्र.1 पर्यावरण का अर्थ एवं परिभाषा बताते हुए पर्यावरण के आयामों का वर्णन कीजिये।
- प्र.2 पर्यावरण अध्ययन में स्थानीय परिवेश एवं अनुभवों के उपयोग का महत्व समझाइए।
- प्र.3 चार्ट से आप क्या समझते हैं चार्ट के प्रकार एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालिये।
- प्र.4 पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता उत्पन्न करने में शिक्षक की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
- प्र.5 ग्लोबल वार्मिंग क्या है? इसका अर्थ बताते हुए इसके कारणों पर प्रकाश डालिए।

Sub. Code-908 (सामाजिक विज्ञान शिक्षण)

नोट – सभी दीर्घउत्तरीय प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

- प्र.1 सामाजिक विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं महत्व का विस्तार से वर्णन कीजिए।
- प्र.2 सामाजिक विज्ञान शिक्षण की प्रमुख विधियों का वर्णन करते हुए उनकी उपयोगिता समझाइए।
- प्र.3 सामाजिक विज्ञान शिक्षण में मानचित्र, चार्ट एवं अन्य शिक्षण सहायक सामग्री के महत्व को समझाइए।
- प्र.4 भूगोल की आधुनिक अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
- प्र.5 विद्यार्थियों में सामाजिक एवं नागरिक मूल्यों के विकास में सामाजिक विज्ञान की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

Sub. Code-911 (विज्ञान शिक्षण)

नोट – सभी दीर्घउत्तरीय प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

- प्र.1 विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं महत्व का विस्तार से वर्णन कीजिए।
- प्र.2 प्रकाश संश्लेषण किसे कहते हैं? प्रकाश संश्लेषण की क्रिया का हमारे जीवन में क्या महत्व है?
- प्र.3 विज्ञान शिक्षण में प्रयोगशाला एवं प्रयोगात्मक कार्य की भूमिका समझाइए।
- प्र.4 विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकशित करने में शिक्षक की भूमिका विस्तार से वर्णन कीजिए।
- प्र.5 पाठ्योजना का अर्थ, आवश्यकता सोपान एवं उसकी सीमाएं विस्तार पूर्वक समझाइये।

(गणित शिक्षण)

नोट – सभी दीर्घउत्तरीय प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

- प्र.1 गणित शिक्षण के उद्देश्य एवं महत्व का विस्तार से वर्णन कीजिए।
- प्र.2 गणित शिक्षण में आगमन एवं निगमन विधि को सविस्तार से समझाइए।
- प्र.3 प्राथमिक स्तर पर गणित शिक्षण में ठोस सामग्री एवं शिक्षण सहायक सामग्री के महत्व को समझाइए।
- प्र.4 गणित पाठ्यचर्या के निर्माण के सिद्धांतों का विस्तार से वर्णन कीजिए।
- प्र.5 गणित शिक्षण को सरल, रोचक एवं गतिविधि आधारित बनाने के विभिन्न उपायों का विस्तार से वर्णन कीजिए।